एक नजर में

बीएससी तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की रसायन शास्त्र की प्रायोगिक परीक्षा 12 मार्च को

झाबुआ। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ के रसायनशास्त्र विभाग द्वारा बीएससी तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष (एनईपी) के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा सत्र 2025-26 की रसायन शास्त्र प्रायोगिक परीक्षा (मेजर प्रथम एवं द्वितीय, माइनर तथा ओपन इलेक्टिव) 12 मार्च, गुरुवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होगी। इसमें नियमित, भूतपूर्व, स्वाध्यायी (प्राइवेट) एवं पूरक प्राप्त सभी परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट परीक्षा भी इसी दिन ऐसे विद्यार्थी, जिनका इंटर्नशिप एवं फील्ड प्रोजेक्ट कार्य रसायन विभाग के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में चल रहा है, उनकी परीक्षा भी संपन्न होगी। प्राइवेट परीक्षार्थियों (जिनका मेजर विषय रसायन शास्त्र है) की इंटर्नशिप परीक्षा मुख्य प्रायोगिक परीक्षा के पश्चात् ली जाएगी। विद्यार्थियों को अपनी इंटर्नशिप और फील्ड प्रोजेक्ट की फाइल साथ लाना अनिवार्य है।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में किसानों से फार्मर आईडी बनवाने की अपील

आलीराजपुर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत जिले में ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत फार्मर रजिस्ट्री के लिए भू-धारी किसानों की फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस व्यवस्था में किसानों की सभी कृषि भूमि को एक साथ जोड़ा जा रहा है। उप संचालक कृषि श्री एस.एस. चौहान ने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा है कि सभी कृषक अपनी फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवाएं, ताकि उन्हें कृषि एवं अन्य विभागों की योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। उन्होंने बताया कि फार्मर आईडी बनने के बाद उर्वरक प्राप्त करने के लिए ई-टोकन प्रणाली, चना, गेहूं और मसूर के उपार्जन, सोयाबीन और सरसों के लिए भावांतर योजना तथा फसल बीमा योजना में पंजीयन के समय किसानों को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि किसान आईडी किसानों की एक डिजिटल पहचान है, जिसमें उनकी जमीन और फसल से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहती है। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है। चौहान ने बताया कि फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसान अधिक जानकारी हेतु राजस्व एवं कृषि विभाग से संपर्क कर सकते हैं, जिससे उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी।

पेटलावद क्षेत्र में श्रद्धापूर्वक मनाई शीतला सप्तमी, बासी भोजन से महकी रसोई

पेटलावद। आरोग्य की देवी मां शीतला की आराधना का पावन पर्व

शीतला सप्तमी पूरे क्षेत्र में अपार श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण और शहरी अंचलों में लोक परंपराओं का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जहाँ महिलाओं ने विधि-विधान से माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली और आरोग्य का वरदान मांगा। पर्व की शुरुआत एक दिन पूर्व षष्ठी से ही हो गई थी, जब महिलाओं ने श्रद्धाभाव से घरों में विभिन्न प्रकार के विशेष पकवान और व्यंजन तैयार किए। परंपरा के अनुसार सप्तमी की अलसुबह महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज्ज होकर, हाथों में पूजा की थाली लिए और माता के भजन गाते हुए मंदिर पहुंचीं। यहाँ उन्होंने माता रानी को एक दिन पूर्व बने बासी भोजन का नैवेद्य अर्पित किया। धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन घरों में चूल्हा जलाना वर्जित माना जाता है, इसलिए सभी परिवारों ने शीतला माता को भोग लगाने के बाद स्वयं भी बासी भोजन यानी 'बसौड़ा' का ही सेवन किया। इस परंपरा के पीछे गहरा वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी दृष्टिकोण भी छिपा है। माना जाता है कि ठंड की विदाई और गर्मी के आगमन के इस संधि काल में शीतल भोजन करने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। क्षेत्र के शीतला माता मंदिरों में इस दिन विशेष रौनक दिखाई दी, जहाँ आकर्षक सजावट और विद्युत सज्जा के बीच सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। विशेष रूप से प्रजापत समाज की आराध्य देवी के रूप में पूजित माँ शीतला के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में गहरा विश्वास देखने को मिलता है। होलिका दहन के बाद से ही सप्तमी तक सात दिनों तक महिलाएं प्रतिदिन मंदिर में जल अर्पित कर माता को शीतल रखने की कामना करती हैं, ताकि क्षेत्र बीमारी और संकटों से मुक्त रहे। बुजुर्गों द्वारा आज भी इन कठोर नियमों और परंपराओं का निर्वहन किया जाता है, जिसमें सात दिनों तक गर्म पानी से स्नान न करना और पुरुषों द्वारा दाढ़ी-बाल न बनवाना जैसी लोक मान्यताएं शामिल हैं। इस प्रकार लोक विश्वास और परंपराओं की डोर से बंधा यह पर्व क्षेत्र के जनजीवन में नई ऊर्जा और स्वास्थ्य का संचार कर गया।

पेटलावद में जिनेंद्र मुनि जी महाराज का जन्म दिवस हर्षोल्लास से मनाया

पेटलावद। आचार्य श्री उमेश मुनि जी महाराज साहब के बुद्ध पुत्र और धर्मदास गण के गणनायक प्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी महाराज साहब का 67वां जन्म दिवस शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर पेटलावद श्री संघ द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मांगलिक अवसर पर स्थानीय श्री संघ ने विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी मंगल भावनाएं प्रदर्शित की। कार्यक्रम के दौरान श्रावक-श्राविकाओं ने दो-दो सामायिक अणु, जिनेंद्र चालीसा का पाठ और नवकार मंत्र के सामूहिक जाप के साथ महाराज साहब के गुणों का भावपूर्ण बखान किया। संघ सचिव पारसमल सोलंकी ने महाराज साहब के संदेशों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रवर्तक श्री हमेशा हमें अशुभ चिंतन का त्याग कर शुभ चिंतन में रमण करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने धर्म और शुक्ल ध्यान को अपनाने तथा जीवन से आर्त व रौद्र ध्यान के विसर्जन को ही श्रेष्ठ जीवन का आधार बताया। संघ संवाददाता जितेंद्र मेहता ने महाराज साहब के व्यक्तित्व को भगवान महावीर की साधु परिभाषा का जीवंत रूप बताया, जबकि स्वाध्यायी सोहनलाल चाणोदीया ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में उनके जैसे संतों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। इस कड़ी में रोहित कटकानी और चेतन कटकानी ने अपने विचारों से, जबकि रवि मेहता, खुशबू कटकानी, वंदना सोलंकी, रिंकू और पूजा सोलंकी ने सुमधुर स्तवन के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कवि पदम मेहता ने काव्य पाठ कर महाराज साहब के प्रति मंगल कामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम का सफल संचालन राजेंद्र कटकानी ने किया और वरिष्ठ श्रावक हस्तीमल बाफना द्वारा सुनाए गए मंगल पाठ के साथ धार्मिक सभा का समापन हुआ। इस गरिमामयी उपस्थिति में संघ अध्यक्ष अशोक मेहता, उपाध्यक्ष कांतिलाल झाड़मता, कोषाध्यक्ष संजय भंडारी आदि थे।

जनसुनवाई में कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए, समस्याएं सुनी

साप्ताहिक जनसुनाई कलेक्टर कार्यालय में हुई आयोजित

आलीराजपुर। प्रति मंगलवार की तरह इस सप्ताह भी कलेक्टर कार्यालय स्थित जनसुनवाई कक्ष में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर नीतू माथुर ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान कुल 13 आवेदक अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित हुए। कलेक्टर माथुर ने सभी आवेदकों की समस्याएं एक-एक कर गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान श्री जतन सिंह अवासिया निवासी ग्राम बड़ी सिरखड़ी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित लंबित आवेदन के संबंध में आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने पीएम-किसान पोर्टल पर पंजीकरण कराया था। आवेदन में प्रगति न होने के कारण उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद तकनीकी कारणों से उनका आवेदन निरस्त कर दिया गया था। उन्होंने आवेदन में आवश्यक सुधार कर सभी दस्तावेज तहसील कार्यालय में जमा किए, किंतु तीन माह से अधिक समय बीतने के बावजूद आवेदन तहसील स्तर से जिला स्तर पर नहीं भेजा गया है। मुझ प्रार्थी के आवेदन का सत्यापन कर जिला स्तर पर भेजा जाए ताकि मुझे योजना का लाभ मिल सके। उक्त आवेदन को कलेक्टर श्रीमती माथुर ने तहसीलदार सोण्डवा को जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ई श्रमिक व्यक्ति को शासकीय योजना का लाभ दिलवाया जाए

इसी प्रकार एक अन्य आवेदकराजेश किकरिया पिता वेस्तिया किकरिया निवासी ग्राम रिछवी पटेल फलिया ने आवेदन दिया कि वे ई-श्रमिक श्रेणी के श्रमिक हैं, किंतु उन्हें लगभग 30 वर्षों से किसी भी शासकीय योजना का लाभ उन्हें प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनके नाम से पात्रता पर्ची होने के बावजूद भी किसी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुझ ई- श्रमिक व्यक्ति को शासकीय योजना का लाभ दिलवाया जाए। साथ ही उन्होंने एक अन्य आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके विवाह प्रमाण-पत्र में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने के कारण उन्हें ऑनलाइन प्रमाण-पत्र निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मेरे विवाह प्रमाण-पत्र में मोबाइल नंबर अपडेट कराया जाए। उक्त आवेदन को कलेक?टर श्रीमती माथुर ने संबंधित अधिकारी को सौंप कर जाचं के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अनुभव प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में, भूमि विवाद, बंटवारा, जमीनी कब्जा आदि विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर मनोज गरवाल, डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीपिका पाटीदार सहित समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत गर्मी से बचाव को लेकर जागरूकता

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू से बचाव के लिए दी गई सलाह

आलीराजपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2026 के गर्मी के मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव और समय पर उपचार के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अत्यधिक तापमान के कारण लू (हीट स्ट्रोक), डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, उल्टी, सिरदर्द, बुखार, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएं होने की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं तथा लंबे समय तक धूप में काम करने वाले लोग इसके अधिक शिकार हो सकते हैं।

गर्मी से बचाव के उपाय-स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें और दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में जाने से परहेज करें। अधिक मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, लस्सी और ओआरएस का सेवन करें। हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़े पहनें तथा बाहर निकलते समय सिर को टोपी, गमछा या कपड़े से ढककर रखें। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

लक्षण दिखाई देने पर तुरंत करें यह कार्य

यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक पसीना आना, तेज बुखार, चक्कर आना, बेहोशी या उल्टी जैसी समस्या हो तो उसे तुरंत छायादार और ठंडी जगह पर ले जाएं। उसे पानी या ओआरएस दें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में तुरंत उपचार कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने आम नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक दवाइयों और उपचार की व्यवस्था की गई है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

जीवन ज्योति अस्पताल की मोतियाबिंद निवारण जागरूकता रैली रवाना

झाबुआ। जीवन ज्योति हेल्थ सर्विस के मेघनगर स्थित मल्टी स्पेशलिटी जीवन ज्योति हॉस्पिटल में जिला स्वास्थ्य समिति (अंधत्व) झाबुआ एवं जीवन ज्योति हेल्थ सर्विसेज मेघनगर और जीवन ज्योति अस्पताल मेघनगर के आयोजन पर मार्च माह में मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व के निवारण हेतु प्रसार तथा प्रचार के लिए प्रचार वाहन जीवन ज्योति अस्पताल से 9 मार्च, सोमवार को रवाना हुआ। वाहन को हरी झंडी जीवन ज्योति हैल्थ सर्विस अध्यक्ष बिशप पीटर खराड़ी ने दिखाकर रवाना किया। आयोजन समिति के फादर थॉमस पीए डायरेक्टर जीवन ज्योति अस्पताल मेघनगर ने बताया कि मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व से अगर किसी स्त्री या पुरुष को कम दिखता है या बिल्कुल नहीं दिखाई देता है, तो ऐसे मरीजों को ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ता, एएनम से सीएचओ अथवा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, कोटवार तड़वी, पंच, सरपंच एवं जीवन ज्योति अस्पताल (नेत्र विभाग) से संपर्क कर इस सेवा का नि:शुल्क इलाज का लाभ ले सकते है।

आस्था के साथ मनाया शीतला सप्तमी पर्व, मंदिरों में रही भीड़

झाबुआ. शीतला सप्तमी पर्व 10 मार्च, मंगलवार को शहर में आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के शीतला माता मंदिरों में माताजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए अलसुबह से लेकर देर शाम तक भक्तों की भी लगी रहीं।

श्रद्धालुओं ने इस दिन अपने घरों पर एक दिन पूर्व बना ठंडा भोजन ग्रहण किया। साथ ही घर आने वाले मेहमानों की नवाजी भी विशेष व्यंजनों से की गई। पर्व का उल्लास शहर में दिनभर देखने को मिला?। शीतला सप्तमी पर शहर के छोटा तालाब स्थित प्राचीन श्री शीतला माता मंदिर पर अलसुबह 4 बजे से ही महिलाओं का सज-संवरकर पूजा की थालियां सजाकर पहुंचना आरंभ हो गया था। सुबह के दौर में शीतला माता मंदिर में महिलाओं एवं पुरुषों की माताजी के दर्शन-पूजन हेतु लंबी कतार रहीं। श्रद्धालुओं ने यहां शीतला माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के साथ नारियल बदारा एवं माताजी को विशेष व्यंजनों का भोग लगाया गया। यथाशक्ति दान-पुण्य भी किया गया। महिलाओं ने शीतला माता से परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि हेतु कामना की। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। मंदिर परिसर में समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए धूप में छांव हेतु टेंट लगाने के साथ शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई। साथ ही मंदिर प्रांगण में बच्चों के खिलौने एवं स्वल्पाहार आदि की दुकानें भी लगी। इसी प्रकार शहर के गोपाल कॉलोनी स्थित शीतला माता मंदिर पर भी सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ रहीं। यहां भक्तजन माताजी के दर्शन के लिए लालायित नजर आए। शीतला सप्तमी पर्व को लेकर मंदिर में एक दिन पूर्व रंग-रोगन के साथ विशेष व्यवस्था की गई। डीआरपी लाइन में श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर स्थित माताजी मंदिर पर भी श्रद्धालुओं की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ नजर आई?। *विशेष व्यंजन ग्रहण किए गए -* शीतला सप्तमी पर परंपरा अनुसार महिलाओं ने एक दिन पूर्व अपने घरों पर विशेष व्यंजन बनाकर तैयार किए गए। पर्व के दिन घरों में गैस एवं चूल्हा नहीं जलाया जाता है। एक दिन पूर्व बना भोजन ग्रहण किया जाता है। साथ ही घर आने वाले मेहमानों की नवाजी भी विशेष व्यंजनों से की जाती है। श्रद्धालुओं ने इस दिन व्रत एवं उपवास रखकर भी शीतला माता की आराधना की।

रायबुलिया बना युवक चेहरे पर कालिख पोतकर हरे झाड़-पत्तियों से ढंका रहता है। उसके साथ एक महिला द्वारा ढ़ोल बजाते हुए पर्व की गोट मांगी जाती है। यह रायबुलिए इस बार शहर में ना के बराबर दिखाई दिए। दूसरी ओर 10 मार्च को शीतला सप्तमी का स्थानीय अवकाश होने से अधिकारी-कर्मचारी वर्ग के साथ अधिकांश व्यापारियों ने भी इस दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर यह पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन 11 एवं से 12 मार्च को

आलीराजपुर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अवसर पर जिला आलीराजपुर में 11 और 12 मार्च को दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कृषि उपज मंडी समिति आलीराजपुर में किया जाएगा। कृषि मेले विभागीय एवं निजी विक्रेताओं द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिनमें कृषि विज्ञान केंद्र आलीराजपुर, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, पशुपालन विभाग, जिला अग्रणी बैंक, जिला आयुष विभाग, महिला बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, सहकारिता विभाग ,जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन,सहित कृषि संबद्ध अन्य विभागों द्वारा मेले में विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मेले में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, फसल विविधीकरण, मिलेट्स एवं तिलहन उत्पादन, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, ई टोकन उर्वरक वितरण की जानकारी दी जाएगी।उप संचालक सज्जन सिंह चौहान ने किसान भाइयों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होवे।

अपनी ही जन्मस्थली पर गूंजा गुरुदेव का जयकारा राणापुर में पुण्य और नित्य की सेवा-धारा

राणापुर . पुण्य सम्राट आचार्य श्री जयंत सेन सुरीश्वरजी के पट्टधर,नगर के गौरव और लाड़ले संत, परम पूज्य श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा. के शुभ जन्मोत्सव पर उनकी जन्मस्थली राणापुर भक्ति के रस में सराबोर हो उठी।

जन्मभूमि का ऋण और गुरु की विरासत-परिषद के ललित जैन ने बताया कि राणापुर वह पावन धरा है जिसे पूज्य गुरुदेव की जन्मस्थली होने का सौभाग्य प्राप्त है। इसी गौरव को ध्यान में रखते हुए, श्री संघ एवं अ भा श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय द्वारा राज राजेंद्र जयंत गोपाल गौशाला में एक %गौ-ग्रास% (गौ-सेवा) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित गुरु गुणानुवाद में वक्ताओं ने कहा कि आचार्य श्री ने सदैव पुण्य सम्राट के प्रति समर्पित भाव से उनकी सेवा का मार्ग चुना।

सादगी और सदा मुस्कराते चेहरे के साथ गच्छाधिपति ने गुरुदेव पुण्य सम्राट श्री जयंत सेन सूरीश्वरजी म.सा. ने जो जीव-दया और सेवा के संस्कार दिए थे, उन्हें आत्मसात करते हुए पुण्य सम्राट के पश्चात पूरे भारत के संघ को एकजुट रखते हुए पुण्य सम्राट की ध्वजा को लहराया है। इस मांगलिक अवसर पर समाज के नेतृत्व और वरिष्ठ जनों की गौरवशाली उपस्थिति रही। आयोजन में श्री संघ अध्यक्ष चंद्रसेन कटारिया एवं परिषद् अध्यक्ष प्रवीण नाहर के साथ-साथ संघ के वरिष्ठ मार्गदर्शक मनोहर लाल नाहर, दिनेश चंद्र नाहर, कल्पेश जैन, जितेंद्र सालेचा, पवन नाहर एवं योगेश सालेचा ने सक्रिय रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सेवा कार्यों में हाथ बंटाया। इनके साथ ही पाठशाला के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी ब?ी संख्या में शामिल होकर गौ-माता की सेवा की और गुरुदेव के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त की।पूरा आयोजन 卐सेवा सम्राट स्व. श्री रतनलाल जी नाहर卐 की पावन स्मृति में लाभार्थी परिवार द्वारा आयोजित किया गया। उनकी सेवाभावी छवि को नमन करते हुए समाज ने इस पहल को गुरु-भक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

एक नजर में | **शासकीय कार्यालयों में प्लास्टिक बोतलों का उपयोग ना किया जाएं**

बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाने के लिए करें जागरूक : कलेक्टर

आलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कोई भी शिकायत नॉन-अटेंडेंट न रहे और प्रतिदिन शिकायतों की समीक्षा की जाए। उद्यानिकी विभाग द्वारा शिकायत को नॉन-अटेंडेंट रखने पर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही समय-सीमा के भीतर संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने और विभागीय ग्रेडिंग सुधारने पर जोर दिया गया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती माथुर ने ई-उपार्जन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की समस्या न आए। कृषक कल्याण वर्ष 2026 को दृष्टिगत रखते हुए कृषि विभाग कार्य योजना बना कर कलेक्टर कार्यालय में अवगत कराए।卐संकल्प से समाधान卐 अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान जनकल्याण के लिए है, इसलिए इसे गंभीरता से क्रियान्वित किया जाए। विकासखंड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में नवाचार करने के भी निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग और महिला बाल विकास विभाग को संयुक्त रूप से निर्देशित किया गया कि कोई भी बालिका विद्यालय में नामांकन से वंचित न रहे। मातृ वंदना योजना की समीक्षा करते हुए लक्ष्य अनुरूप प्रगति करने के निर्देश दिए गए। ई-केवाईसी की समीक्षा के दौरान सभी जनपद सीईओ और सीएमओ को सघन शिविर लगाकर ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए गए।

बालिकाओं को वैक्सीन निशुल्क लगाई जाएगी

बैठक में कलेक्टर माथुर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय कार्यालयों में प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग न किया जाए। साथ ही सभी सीईओ एवं सीएमओ को महत्वपूर्ण स्थलों पर प्याऊ लगाने के निर्देश दिए गए। सभी एसडीएम और तहसीलदार यह सुनिश्चित करे कि जिले के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण न हो। बैठक के दौरान जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी तथा 15वां जन्मदिन न आने वाली सभी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन नि:शुल्क लगाई जा रही है। यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं हैं। इस पर कलेक्टर माथुर ने महिला बाल विकास और शिक्षा विभाग को बालिकाओं तथा उनके अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश दिए ताकि बालिकाओं का अधिक से अधिक टीकाकरण हो सके। टीएल बैठक में अनुपस्थित रहने पर जल संसाधन विभाग को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।